International Journal of Research
Special Issue for UGC Approved Journal-Hindi Papers
Available at https://edupediapublications.org/journals
e-ISSN: 2348-6848
p-ISSN: 2348-795X
Volume 03 Issue 10
October 2017

बारिस कि बूंदें

माया देवी

उतारी है गगन से
हजारों परियां
बनकर बारिस कि बूंदें
नाच रही है छम-छम
हवावों के झोंकों से
कभी इधर
तो कभी उधर
मचल रही है झूम-झूम
इनकी मधुर तन से
हर्षा रहा है मेरा मन
वो गा रही है प्रेम-गान
होकर मस्त मगन
जैसे हो मेरा हमदम
इनकी थिरकते पावों को
बलखाती कमर को
देख तृप्त होते मेरे नयन
नाच रहा मेरा भी मन-मयूर
इन बारिस की बूंदों में
न जाने कैसा जादू है
मेरा मन बेकाबू है
मिलन को हम आतुर
बरस रही बारिस जमकर
...